

वापस आना पड़ता है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार इस व्यवस्था को ही समाप्त कर एक राहत देने की कोशिश करेगी?

SHRI DINESH TRIVEDI: Sir, as far as the earnings are concerned, I must inform the hon. Member that the Railways have not lost...*(Interruptions)*...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: महोदय, मेरा एक निवेदन है। मंत्री जी हिंदी में बोल सकते हैं, सवाल हिंदी में पूछा गया है।

श्री दिनेश त्रिवेदी: हिंदी में बोल देंगे। सर, जहाँ तक...*(व्यवधान)*... हम हिंदी में बोल सकते हैं।
...*(व्यवधान)*...

MR. CHAIRMAN: Please, do not innovate; the procedure of the House will be followed.

श्री दिनेश त्रिवेदी: सर, जहाँ तक आय का सवाल है...*(व्यवधान)*...

SHRI TIRUCHI SIVA: Sir, why should anybody compel anybody to speak only in this language or that language?

MR. CHAIRMAN: It was a suggestion, not compulsion.

श्री दिनेश त्रिवेदी: हम मिक्स करके बोलेंगे। जहाँ तक आय का सवाल है, मैं आपके द्वारा कहना चाहता हूँ कि रेलवे की आय में तत्काल की वजह से कमी नहीं हुई, बल्कि इजाफा हुआ है। As far as the question of earnings is concerned, we have not lost money. On the contrary, we have gained some money through Tatkal. But, if the House collectively decides that this system is not good for the passengers, I am open for suggestions, Sir.

MR. CHAIRMAN: This is a time consuming new language that you are attempting to invent. Question No. 342.

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: सर, एक निवेदन करना चाहता हूँ कि प्रश्न संख्या 342 और 348 बिल्कुल identical हैं।

MR. CHAIRMAN: I know that. ...*(Interruptions)*...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: तो दोनों को एक साथ लिया जा सकता है।

MR. CHAIRMAN: We just take them in the same order in which they are listed. ...*(Interruptions)*... This is the result of a ballot. The ballot results would be followed. ...*(Interruptions)*...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: सर, एक जैसे प्रश्न club कर दिए जाते हैं, दोनों एक साथ ले लिए जाते हैं।

MR. CHAIRMAN: No, it won't be fair. Question No. 342.

Demand and supply of fertilizers

*342. SHRI SABIR ALI: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) the particulars of Central Public Sector Enterprises producing fertilizers of various kinds alongwith the details of fertilizers produced during 2009-10 and 2010-11;

(b) the details of the enterprises/units in the private sector alongwith the quantum of fertilizers produced by them during 2009-10 and 2010-11;

(c) whether demand for fertilizers in the country is being met with the supply of fertilizers; and

(d) if not, the extent of gap between demand and supply?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI SRIKANT JENA): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The details in respect of production of various kind of fertilizers by the Central Public Sector Enterprises during the year 2009-10 and 2010-11 are given in Statement-I (See below).

(b) Details of private sector units and quantum of fertilizers produced by them during the year 2009-10 and 2010-11 are given in Statement-II (See below).

(c) and (d) Urea is the only fertilizer under statutory price control and it is imported for direct agriculture use on Government account to bridge the gap between assessed demand and indigenous production. Besides this, Government is also importing approximately 2 million MT of granular urea per annum from Oman India Fertilizer Company (OMIFCO), Sur, Oman under Long Term Urea Off Take Agreement (UOTA) between GOI & OMIFCO. Department of Fertilizers reviews demand supply position during each crop season *i.e.* Kharif and Rabi and decides the quantity of urea imports based on the gap. Fertilizers other than Urea are imported under Open General Licence (OGL). Companies import these fertilizers as per their commercial judgment. However, Government is closely monitoring the availability of all major fertilizers to ensure adequate and timely availability of these fertilizers.

Statement-I

Plant-wise production of fertilizers of various kinds produced during 2009-10 and 2010-11 by Central Public Sector Enterprises

Central Public Sector Enterprises	Production ('000' MT)		
	Product-wise	2009-10	2010-11
1	2	3	4
NFL:Bhatinda	Urea	514.7	553.0

1	2	3	4
NFL:Panipat	Urea	512.9	470.0
NFL:Vijaipur	Urea	878.5	916.6
NFL:Vijaipur Expn.	Urea	949.6	961.5
TOTAL (NFL):		3329.7	3379.6
BVFCL:Namrup-II	Urea	79.2	86.1
BVFCL:Namrup-III	Urea	230.4	198.9
TOTAL (BVFCL):		309.6	285.0
RCF:Trombay-V	Urea	306.9	341.1
RCF:Thal	Urea	1782.2	1783.4
TOTAL (RCF):		2089.1	2124.5
MFL:Chennai	Urea	435.9	477.9
Total (UREA)		6164.3	6267.0
FACT:Udyogamandal	NPK	181.3	147.6
FACT:Cochin-II	NPK	576.8	496.2
TOTAL (FACT):		758.1	643.8
RCF:Trombay	NPK	490.4	446.0
RCF:Trombay-IV	NPK	12.9	157.9
TOTAL (RCF):		503.3	603.9
TOTAL (NPK):		1261.4	1247.7

Statement-II

*Plant-wise production of fertilizers of various kinds produced during
2009-10 and 2010-11 by Private Sector Enterprises*

Private Sector Units	Production ('000' MT)		
	Product-wise	2009-10	2010-11
1	2	3	4
GSFC:Vadodara	Urea	281.5	245.5

1	2	3	4
SFC:Kota	Urea	382.2	403.4
DIL:Kanpur	Urea	0.0	0.0
ZIL:Goa	Urea	387.5	396.8
SPIC:Tuticorin	Urea	0.0	300.9
MCF:Mangalore	Urea	379.5	379.4
GNFC:Bharuch	Urea	601.7	643.2
IGF:Jagdishpur	Urea	1096.1	1098.5
NFCL:Kakinada-I	Urea	757.0	831.6
NFCL:Kakinada-II	Urea	723.1	824.0
CFCL:Gadepan-I	Urea	1019.6	1032.2
CFCL:Gadepan-II	Urea	1011.2	1068.0
TCL:Babrula	Urea	1231.7	1116.7
KSFL:Shahjhanpur	Urea	972.8	1030.5
TOTAL (UREA):		8843.9	9370.7
GSFC:Vadodara	DAP	0.0	0.0
ZIL:Goa	DAP	351.8	151.6
SPIC:Tuticorin	DAP	0.0	30.4
MCF:Mangalore	DAP	198.1	177.8
TCL:Haldia	DAP	183.7	190.3
GSFC:Sikka-I	DAP	921.8	706.1
GSFC:Sikka-II	DAP	0.0	0.0
CIL:Kakinada	DAP	520.6	402.5
CIL:Vizag	DAP	0.0	31.8
Hindalco Indus:Dahej	DAP	181.8	214.2
PPL:Paradeep	DAP	763.7	655.6
TOTAL (DAP):		3121.5	2560.3

Production of GSFC: Sikka-I and II are Combined.

1	2	3	4
GSFC:Vadodara	NPK	292.9	2
CIL:Vizag	NPK	1053.4	858.5
ZIL:Goa	NPK	366.2	509.5
SPIC:Tuticorin	NPK	174.4	175.4
MCF:Mangalore	NPK	84.1	45.7
CIL:Ennore	NPK	212.6	260.8
GNFC:Bharuch	NPK	166.5	166.2
TCL:Haldia	NPK	394.0	361.2
GSFC:Sikka-I and II	NPK	0.0	0.0
CIL:Kakinada	NPK	735.6	958.8
Hindalco Ind:Dahej	NPK	0.0	0.0
DFPCL:Taloja	NPK	100.6	123.5
PPL:Paradeep	NPK	447.2	537.5
TOTAL (NPK):		4027.5	4277.7

श्री साबिर अली: सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह कहना चाहता हूँ कि जो रिपोर्ट इन्होंने दी है, इसमें उत्तर भारत की एक भी ऐसी फैक्टरी नहीं है, जिसके ज़रिए उत्तर भारत के लोगों को रोजगार मिले, उनको फर्टिलाइजर समय पर मिले और सस्ते दामों पर मिले। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि उत्तर भारत की जितनी फैक्ट्रियां सालों से बंद पड़ी हैं, क्या आपके पास कोई योजना है कि उन फैक्ट्रियों को आप फिर से चालू करेंगे? चूंकि भारत सरकार हर साल कमोबेश एक लाख करोड़ के आस-पास सब्सिडी देती है, अगर यह सब्सिडी उन फैक्ट्रियों के एक-चौथाई हिस्से पर लगाई गई होती, तो लोगों को रोजगार भी मिला होता और उत्तर भारत की जितनी भी फैक्ट्रियां हैं, वे चालू हो गई होतीं। मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार की इस बारे में क्या योजना है?

श्री श्रीकांत जेना: सर, दो चीजें हैं — एक तो यह है कि जो हमारी फैक्ट्रियां हैं, इनमें प्रोडक्शन क्या था, यह माननीय सदस्य का मूल प्रश्न था। उत्तर में मैंने बताया कि प्रोडक्शन लैवल क्या है और हर प्लांट में कितना प्रोडक्शन हो रहा है, इसकी पिक्चर मैंने आपको दे दी है। रही बात उत्तर भारत में फर्टिलाइजर प्लांट्स की, तो जो प्लांट्स देश में हैं और जो उत्तर भारत में बंद पड़े हैं, अभी हाल में कैबिनेट द्वारा उन प्लांट्स को रिवाइव करने का निर्णय लिया गया है और रिवाइवल प्रोसेस शुरू हो गया है। 8 यूनिट्स को 2002 में बंद कर दिया गया था, जिनमें उत्तर प्रदेश में गोरखपुर का एक प्लांट भी था, तो इन सब प्लांट्स को रिवाइव करने के लिए कैबिनेट ने अभी निर्णय लिया है, जिसका प्रोसेस शुरू हो गया है।

तब तक हम बीआईएफआर से मुक्त हो जाएंगे, मुझे लगता है कि एक-दो महीने के अंदर बीआईएफआर का क्लीयरेंस मिल जाएगा। यह प्रोसेस ऑलरेडी शुरू हो चुका है।

श्री साबिर अली: सर, मैं इसी से जुड़ा हुआ दूसरा सवाल करता हूं। माननीय मंत्री जी ने उत्तर भारत के प्लांट्स के बारे में बताया जैसे सिंदरी है, गोरखपुर है, बरौनी है, दुर्गापुर है, हल्दिया है। महोदय, पेट्रोलियम की एक कम्पनी है — गेल। ये फैक्ट्रियां इसलिए बंद की गयी क्योंकि उनको गैस की उपलब्धता नहीं है। क्या आज तक एक बार भी इन्होंने गेल के साथ वार्ता की है? ऑलरेडी इन लोगों ने पाइप लाइन का पूरा प्लान बनाकर रखा हुआ है। आज तक इनकी सरकार में जो लोग फर्टीलाइजर को देखते हैं, उन्होंने एक बार भी गेल के साथ वार्ता नहीं की है। इसके कारण से उनका प्लान बनने के बाद एक साल से तीन साल का डिले चल रहा है। जब तक ये गेल से वार्ता नहीं करेंगे, वे फैक्ट्रियां चालू नहीं होंगी। इसलिए क्या आप बताएं कि क्या इन्होंने आज तक गेल से कोई वार्ता की है? यदि नहीं की है तो कब तक करने वाले हैं?

श्री श्रीकांत जेना: जहां तक गैस का सवाल है, गैस एलोकेशन गेल नहीं कर रहा है।...**(व्यवधान)**...

श्री साबिर अली: वह पाइपलाइन डालेंगे तो गैस एलोकेशन होगा।...**(व्यवधान)**... Because this is the fundamental question, which is going to increase the production,...**(Interruptions)**...

श्री सभापति: प्लीज बैठ जाइए।...**(व्यवधान)**...

श्री साबिर अली: मैं बोलता हूं, उस वक्त रामविलास जी...**(व्यवधान)**... उस वक्त आपके यहां की सरकार...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Please address the Chair. ...**(Interruptions)**...

श्री साबिर अली: जो पेंडिंग है, उसकी तो बात करो।...**(व्यवधान)**... Sir, it is related to the question. They can increase the production and these facts will have to be studied. ...**(Interruptions)**... Unless and until pipeline is started nothing can be done. ...**(Interruptions)**...

SHRI SRIKANT JENA: Sir, I fully agree with the hon. Member that ...**(Interruptions)**...

MR. CHAIRMAN: Please address the Chair.

श्री श्रीकांत जेना: मेरा उत्तर तो सुन लीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल: सभापति महोदय...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: नरेश जी, आप बैठ जाइए। आपकी बारी आएगी, आप बैठ जाइए, जल्दी मत कीजिए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI SRIKANT JENA: Sir, I fully agree with the hon. Member that without natural gas no fertilizer plant can be made viable; it cannot be revived. Therefore, the Cabinet has taken a decision to revive all those units which had been closed down in 2002. The basic issue was that the gas was not available then. The naphtha-based and coal-based gas companies were making huge losses. Therefore, we have, recently, approached the Department of Fertilizer and

have also approached the Ministry of Petroleum to allocate gas. And, fortunately, it is good news that the Government has.... *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Please do not interfere. *...(Interruptions)...* I am sorry; I have not allowed it. *...(Interruptions)...* Please resume your place. *...(Interruptions)...*

SHRI SABIR ALI: It is not a matter of allocation. Until and unless they start the pipeline, allocation cannot be made. *...(Interruptions)...* And, because it is a related question, I would like to know whether he is going to... *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: There is no mention of pipeline in your question. *...(Interruptions)...*

SHRI SABIR ALI: Only then those factories can start. *...(Interruptions)...* And, those factories..... *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Please do not introduce extraneous issues. *...(Interruptions)...* आप बैठ जाइए, जवाब सुन लीजिए।... **(व्यवधान)**...

श्री साबिर अली: सर, जवाब में उन्होंने... **(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आप पूरा जवाब तो सुन लीजिए।... **(व्यवधान)**...

श्री साबिर अली: सर, मैं आपसे संरक्षण चाहता हूँ।... **(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: I am coming to that. *...(Interruptions)...* Just a minute. *...(Interruptions)...* देखिए, आप लोग टाइम ज़ाया कर रहे हैं।... **(व्यवधान)**...

श्री साबिर अली: मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या उसके लिए उन्होंने वार्ता की है?... **(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आप बैठिए। आपने अपना सवाल पूछ लिया है, आप बैठ जाइए।... **(व्यवधान)**...

श्री साबिर अली: सर, मैं आपका संरक्षण चाहता हूँ। मैं जो पूछ रहा हूँ, वे उससे... **(व्यवधान)**...

SHRI SRIKANT JENA: Sir, May I submit one sentence? *...(Interruptions)...*

श्री सभापति: आप बैठ जाइए प्लीज़।... **(व्यवधान)**... अगर आप इसी तरह से सवाल पूछेंगे तो पूरा घंटा निकल जाएगा और कुछ नहीं होगा। आप चाहते हैं कि सबका नुकसान हो?

श्री साबिर अली: तीन साल में एक सवाल मिलता है, अगर वह सवाल भी नहीं पूछेंगे तो क्या होगा?... **(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए प्लीज़।... **(व्यवधान)**...

SHRI SRIKANT JENA: Sir, I was simply informing the august House that in respect of the units, which have been closed down from 2002, the Government has taken a decision to revive all of them. And, for that, the gas is required. We have approached the Ministry of Petroleum for gas allocation. They have already assured us that the gas would be allocated to those units on priority basis. And, only on that assurance this revival process is on. And, I am hopeful that very

soon we will be in the stream and the revival of all those units will be in the pipeline and they will start production.

श्री प्रभात झा: सर, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूँ कि खाद सब्सिडी का वितरण बी.पी.एल. कार्ड के आधार पर किया जाता है। परन्तु इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट के द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 52 प्रतिशत खेत मजदूरों एवं 60 फीसदी अनुसूचित जातियों को बी.पी.एल. का कार्ड नहीं मिलता। मेरा प्रश्न है कि जो सब्सिडी छोटे किसानों के लिए दी जा रही है उसका लाभ छोटे किसानों को ही मिले, इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार क्या कर रही है?

SHRI SRIKANT JENA: Mr. Chairman, Sir, subsidy on fertilizer is not distributed through BPL cards. BPL Cardholders use them to get ration through the PDS, but not to get fertilizers. Any farmer can buy fertilizer and it is highly subsidised. At any retail counter, fertilizer is being sold. Therefore, when any farmer goes to retailers, he gets subsidised fertilizer.

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल: श्रीमन, प्रश्न बड़ा स्पष्ट है। माननीय मंत्री जी से प्रश्न में पूछा गया है कि मांग और आपूर्ति में कितना अंतर है और वह अंतर आप कैसे पूरा करेंगे? आप सब जानते हैं कि जब गेहूँ की बुआई होती है तो खाद की बहुत बड़ी कमी होती है, खासकर के उत्तर भारत में। आपने एक पत्र भी हम लोगों को लिखा था कि हम कितना-कितना इंपोर्ट कर रहे हैं और कितना हम सप्लाई कर रहे हैं। श्रीमन, इसमें कहीं नहीं लिखा है कि मांग कितनी है, आपूर्ति कितनी होनी चाहिए और जो कमी है वह हम कहां से पूरी कर रहे हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि आप तीन तरह की खाद इंपोर्ट कर रहे हैं, यूरिया, डी.ए.पी. और एन.पी.के.। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि इस वर्ष तीनों की मांग कितनी है और आपके पास इनकी कितनी उपलब्धता है तथा जो कमी है उसको आप पूरा कर पाएंगे या नहीं कर पाएंगे? एक तो यह बतला दें, नम्बर-दो, इफ्को और आई.पी.एल., यह खेल वाला आई.पी.एल. नहीं है, यह आई.पी.एल. बड़े खेल वाला है, यह क्रिकेट खेल वाला नहीं है। माननीय पवार जी बैठ हुए हैं। श्रीमन, इसके इंपोर्ट में बहुत बड़ी धांधली आई.पी.एल. और इफ्को करते हैं, जितनी वहां से खरीदते हैं उतनी यहां दिखाते हैं, जबकि बीच में इसका चार जगह ट्रांसपोर्टेशन होता है। वह कम होती है लेकिन उसको पूरी दिखलाकर सब्सिडी ले लेते हैं। माननीय मंत्री जी, क्या आप मेरे इस आरोप की जांच कराएंगे? यदि हां, तो कब तक?

श्री श्रीकांत जेना: सर, इस प्रश्न में दो बिन्दु हैं। एक बिन्दु है कि डिमांड, सप्लाई में गैप क्या है। देश में यूरिया की जितनी डिमांड है, 20 प्रतिशत यूरिया हम बाहर से इंपोर्ट कर रहे हैं और 80 प्रतिशत हम डोमेस्टिक प्रोडक्शन से मीट कर रहे हैं। जहां तक डी.ए.पी. का सवाल है, 90 प्रतिशत हम इंपोर्ट करते हैं और 10 प्रतिशत डोमेस्टिक प्रोडक्शन हो रहा है। जहां तक एम.ओ.पी. का सवाल है, वह भी करीब-करीब हंड्रेड परसेंट हम इंपोर्ट करते हैं। एन.पी.के. का भी प्रोडक्शन अंदर से कुछ हो रहा है और बाहर से भी कुछ इंपोर्ट हो रहा है। एन.पी.के. की डिटेल्स हम आपको दे देंगे। जहां तक शॉर्टेज ऑफ फर्टिलाइजर की बात है, इस साल यूरिया में कोई प्रॉब्लम नहीं है, डी.ए.पी. में कंसट्रेंट है, क्योंकि जहां से हम इंपोर्ट कर रहे हैं, सारी दुनिया में जितना प्रोडक्शन हो रहा है, वह सरप्लस इंपोर्ट करने के लिए अवेलेबिल है। वह सप्लाई ठीक से नहीं हो रही है, जिसके चलते डी.ए.पी. को हम एन.पी.के. में एडजस्ट कर रहे हैं। हर स्टेट से जो डिमांड आ रही है, जहां पर डी.ए.पी. 80 परसेंट दे रहे हैं तो उसमें 20 परसेंट एन.पी.के. एड्जस्ट कर रहे हैं। हर स्टेट की लास्ट इयर की जितनी रिक्वायरमेंट थी, उसमें हम एन.पी.के. देकर सप्लीमेंट कर रहे हैं। यह एक कंसट्रेंट है। आपका सेकंड

क्वेश्चन था कि इफको और आई.पी.एल. के इंपोर्ट से कुछ धांधली है। अगर इस बारे में आपके पास कुछ खबर हो तो दे दें, जिस पर हम जरूर कार्रवाई करेंगे।

MR. CHAIRMAN: Dr. Vijaylaxmi Sadho. ...*(Interruptions)*...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, I have not been called. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I am sorry; it cannot be on demand. ...*(Interruptions)*...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, you are not calling me. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I am sorry; it cannot be on demand. ...*(Interruptions)*... Supplementary question is a courtesy extended to Members. ...*(Interruptions)*...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, when you called the question, I immediately made a demand. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: You are a Senior Member. I don't expect this from you. ...*(Interruptions)*...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: You did not call me yesterday. You have not called me today. What is this? ...*(Interruptions)*... I am asking for my right.

MR. CHAIRMAN: Please put the supplementary question.

डॉ. विजयलक्ष्मी साधो: सर, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहती हूँ कि माननीय मंत्री जी ने प्रश्न के “क” और “ख” के उत्तर में यह बताया है कि डिपार्टमेंट ऑफ फर्टिलाइजर खरीफ और रबी की फसल में मांग और आपूर्ति के आधार पर फर्टिलाइजर को आयात करता है। सर, मैं यह जानना चाहती हूँ कि जैसे मध्य प्रदेश के अंदर पिछले दिनों डी.ए.पी. और यूरिया की बहुत कमी महसूस की गई और रिमोर्ट एरियाज हैं....

जहां पर आदिम जाति सोसायटीज हैं, को-आपरेटिव सोसायटीज हैं, उनके माध्यम से छोटे किसानों को यूरिया और दूसरे फर्टिलाइजर्स उपलब्ध कराये जाते हैं, वहां पर इनकी बहुत कमी पाई गई। मैंने इसके लिए माननीय मंत्री जी से निवेदन भी किया था। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूँ कि क्या यह डिमांड राज्य सरकारों के माध्यम से आपके पास आती है और उसके ऊपर आप क्या कार्यवाही करते हैं और अगर प्रदेश में यूरिया और फर्टिलाइजर्स की कमी होती है, तो भविष्य में उसके लिए आप क्या करेंगे?

श्री श्रीकांत जेना: सर, यह सच है कि जहां तक डिमांड एंड सप्लाई का मामला है, हर स्टेट का एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट अपनी रिक्वायरमेंट खरीफ और रबी की फसल के सीजन से पहले एग्रीकल्चरल मिनिस्ट्री के तहत रोटेट करता है और एग्रीकल्चरल मिनिस्ट्री हमें बताती है कि देश में कितनी टोटल रिक्वायरमेंट है। जहां तक मध्य प्रदेश का सवाल है, मध्य प्रदेश के लिए यह खुशी की खबर है कि मध्य प्रदेश में जितनी रिक्वायरमेंट थी, हमने टोटल रिक्वायरमेंट को फुल-फिल किया था। बीच में आपके मुख्य मंत्री जी ने मुझे एक पत्र लिखा था।...*(व्यवधान)*...

श्री रघुनन्दन शर्मा: यह आप गलत जानकारी दे रहे हैं।...*(व्यवधान)*...

श्री सभापति: प्लीज, प्लीज।...*(व्यवधान)*... देखिए, आप बैठ जाइए।...*(व्यवधान)*...

श्री श्रीकांत जेना: मैं आपको बताता हूँ कि यूरिया का रिक्वायरमेंट 420000 टन था और उसमें 425000 टन एवेलेबल कराया गया और यह 405000 टन सेल हुआ है। आपकी MOP में रिक्वायरमेंट कम थी, क्योंकि MOP की ज्यादा रिक्वायरमेंट नहीं होती है।...**(व्यवधान)**... सर, हम MOP को इम्पोर्ट कर रहे हैं, MOP का कांट्रैक्ट नहीं हो पाया...**(व्यवधान)**... मैं आपको बता दूँ कि सारी दुनिया में MOP is a free item. If the State Governments want to import it, even they can import it. The whole thing is the availability in the international market. MOP is not available in the international market. There is a cartel in the international market. We are trying to break that cartel. We are trying our best to break that cartel and bring MOP to our farmers. ...**(Interruptions)**...

श्री रुद्रनारायण पाणि: मंत्री जी, आप अपने राज्य उड़ीसा को तो दे दीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: पाणि जी, प्लीज़।...**(व्यवधान)**... Please do not do that. ...**(Interruptions)**...

श्री श्रीकांत जेना: मैंने आपको बताया कि...**(व्यवधान)**... आप मेरी बात सुन लीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए। आपने सवाल नहीं पूछा है।...**(व्यवधान)**...

श्री रघुनन्दन शर्मा: आप गलत जानकारी दे रहे हैं।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: अगर गलत जानकारी है, तो आप लिखित में उसको चेलेंज कीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री श्रीकांत जेना: मैं आपको बता दूँ कि आपके मुख्य मंत्री खुद मेरे पास आए थे। वीकली एक बार हमारे आफिसर्स वीडियो कांफ्रेंसिंग करते हैं और यह भी बताते हैं कि कहां पर रिक्वायरमेंट है। अगर मध्य प्रदेश में शार्टेज है, तो...**(व्यवधान)**...

श्री रुद्रनारायण पाणि: क्या उड़ीसा के मुख्य मंत्री आपसे मिले थे?...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: पाणि जी, प्लीज़।...**(व्यवधान)**...

श्री रुद्रनारायण पाणि: आप उड़ीसा के लिए क्या कर रहे हैं?...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: वह सवाल आपका नहीं है।...**(व्यवधान)**... What is this going on? ...**(Interruptions)**...

आप, प्लीज़, बैठ जाइए।...**(व्यवधान)**... पाणि जी, प्लीज़।...**(व्यवधान)**...

SHRI SRIKANT JENA: Please permit me to answer. This is a very vital question. It is about requirement of fertilizer. About 90,000 to 1,00,000 crore is being subsidized. It is the responsibility of all the State Governments that it should be distributed properly at the end point. We are requesting not only the Chief Ministers but also the Members of Parliament to have a look into that, because it is a highly subsidized fertilizer. We are monitoring it; you also monitor. If there is any complaint anywhere, we will, certainly, take action. If there is any shortage in any corner of the country, then, it has to be looked into not on a political basis, but from a different angle altogether. ...**(Interruptions)**...

MR. CHAIRMAN: Question No. 343. ...**(Interruptions)**... Please, please. ...**(Interruptions)**... This question is over. ...**(Interruptions)**... Question No. 343. ...**(Interruptions)**... This question is over.